कोलकाता की ट्राम सेवा बंद

[स्रोत: इंडिया टुडे](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पश्चिम बंगाल सरकार ने** 151 वर्षों के बाद कोलकाता की ट्राम सेवा को **बंद करने** का निर्णय लिया है।

- **मैदान से एस्प्लेनेड तक** का एक छोटा सा हिस्सा, ट्राम प्रेमियों के लिए विरासत के रूप में रखा जाएगा।

कोलकाता की ट्राम सेवा के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:** ट्राम एक **शहरी रेल परिवहन प्रणाली है** जिसमें **रेलकारें होती हैं** जिनसे लोगों को परिवहन की सुविधा प्रदान की जाती है और यह**सड़क पर धातु की पटरियों पर चलती हैं।**
  - कोलकाता में शुरू में यह **मीटर गेज पर चलती थी** लेकिन **वर्ष 1902 के बाद** पटरियों को **मानक गेज में परिवर्तित कर दिया गया।**
- **कोलकाता में ट्राम की शुरुआत: कोलकाता में** पहली **घोड़ा-चालित ट्राम 24 फरवरी 1873** को शुरू की गई, जो सियालदह और अर्मेनियाई घाट के बीच **3.9 किलोमीटर की दूरी** तय करती थी।
  - कलकत्ता ट्रामवेज कंपनी **का** गठन और पंजीकरण **वर्ष 1880 में लंदन में हुआ।**
- **विद्युतीकरण और विस्तार: 27 मार्च 1902** को कोलकाता में एस्प्लेनेड से किदरपोर तक पहली **विद्युत ट्रामकार शुरू की गई।**
  - **यह एशिया की पहली** इलेक्ट्रिक ट्राम सेवा भी थी।
  - **वर्ष 1946** में ट्राम, हावड़ा ब्रिज पार करने वाला **पहला वाहन था।**
  - **20 वीं सदी के प्रारंभ** तक ट्राम मार्गों से शहर बड़े पैमाने पर जुड़ गए थे।
- **1970 के दशक से गिरावट:** कोलकाता की संकरी गलियों में कारों और बसों की संख्या बढ़ने से ट्रामों की आवाजाही**मुश्किल हो गई** और **यातायात जाम की समस्या भी बढ़ गई।**
- **सांस्कृतिक प्रतीकवाद:** इसे सत्यजीत रे **की** वर्ष 1964 की फिल्म **'महानगर'** और **अपुर संसार जैसी अन्य फिल्मों में दर्शाया गया है, जो कोलकाता की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को** दर्शाती हैं।
- **मान्यता: वर्ष 2020** में कोलकाता में भारत की **पहली इलेक्ट्रिक ट्राम लाइब्रेरी शुरू की गई।**
  - **वर्ष 2023** में कोलकाता में ट्राम सेवाओं की **150वीं वर्षगांठ का जश्न "ट्रामजात्रा 2023"** नामक एक सप्ताह लंबे कार्यक्रम के साथ मनाया गया।
- **अन्य भारतीय शहरों में ट्राम:** ट्राम की शुरुआत **बम्बई में वर्ष 1874 में, मद्रास में वर्ष 1895 में, दिल्ली में वर्ष 1904 में, कानपुर में वर्ष 1914 में तथा पूना में 20** वीं सदी के प्रारंभ में हुई।
  - **वर्ष 1933 और 1964 के बीच** कोलकाता को छोड़कर सभी भारतीय शहरों में इन्हें **बंद कर दिया गया।**
- **वैश्विक शहरों में ट्राम: मेलबर्न,** लिस्बन, सैन फ्रांसिस्को, एम्स्टर्डम, ज्यूरिख और बर्लिन में ट्राम सेवा अच्छी तरह से संचालित हो रही है।
  - मेलबोर्न में दुनिया का **सबसे पुराना ट्रामवे संचालित है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1885 में हुई थी।**

ट्राम केवल कोलकाता में ही इतने लंबे समय तक क्यों चली?

- **संकरी गलियाँ:** शहर की **संकरी गलियाँ** और **पुरानी स्थापत्य संरचनाओं के कारण** सड़क नेटवर्क का विस्तार सीमित हो गया, जिससे ट्राम एक व्यावहारिक विकल्प बन गया।
- **कारें कम होना: अन्य महानगरीय शहरों की तुलना में कोलकाता में** कार कम होने से ट्राम जैसे किफायती सार्वजनिक परिवहन की मांग बनी रही।
- **किराया कम होना:** ट्राम की सस्ती कीमत से भी इनकी धारणीयता में योगदान मिला।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/discontinuation-of-kolkata-s-tram-service